C-10

(2) जन्म के समय प्रभावित करने वाले कारक :—

अध्ययनों से पता चला है कि समय से पहले प्रसव व कम वजन वाले बच्चों में श्रवण बाधिता अधिक पायी जाती है। जन्म के समय बहुत से कारक ऐसे होते हैं जो बच्चे की श्रवण क्षमता को प्रभावित करते हैं, जैसे - ऑक्सीजन की कमी, प्रसव के दौरान प्रयोग किये जाने वाले औजार, एन्सथेटिक दवाइयों का प्रयोग, प्रसव के समय अधिक रक्त-प्रवाह आदि अनेक कारणों से बच्चों में श्रवण बाधिता हो सकती है।

(3) जन्म के बाद प्रभावित करने वाले कारक :—

शिशुकाल में ही यदि बच्चे को संक्रमण या बीमारियाँ हो जाती हैं तो वे बच्चे के लिए श्रवण सम्बन्धि दोष पैदा कर सकती है। कोई दुर्घटना, कान की बीमारी आदि विभिन्न कारण भी बच्चे की श्रवण सम्बन्धी दोष पैदा कर सकती हैं। कोई दुर्घटना, कान की बीमारी आदि विभिन्न कारण भी बच्चे की श्रवण शक्ति कम कर सकते हैं जन्म के बाद श्रवण बाधिता के लिए उत्तरदायी कारकों का वर्णन इस प्रकार हैं

(a) मैनिनजाइटिस (Meningitis) यह एक बैक्टीरिया या वायरस से होने वाला संक्रमण है जो केन्द्रीय स्नायु संस्थान मे होता है। इस प्रकार संक्रमण के कारण पूर्ण श्रवण बाधिता हो सकती है।

Sweet is the help of one we have helped.

Scanned with CamScanner

(b) कर्णशोथ (Otitis) यह भी श्रवण बाधिता का अन्य कारण है जो मध्य कर्ण को प्रभावित करता है। यदि इस रोग का पूर्ण इलाज न किया जाये तो कान मे पस बनना या श्रवण बाधिता हो सकती है।

(c) दुर्घटनाएँ (Accidents) कोई भी दुर्घटना भी श्रवण तन्त्र को हानि पहुंचा सकती है किसी लकड़ी या पिन से कान का मैल निकालते समय भी बालक अनजाने मे कर्णपटल को नुकसान पहुंचा देता है। विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप जब कोई गहरा आघात श्रवण अंगो या मस्तिष्क को पहुंचता है तो उसकी परिणति श्रवण दोषों में होती है।

(d) बीमारियाँ व संक्रमण :— बहुत सी ऐसी बीमारियाँ होती है जो श्रवण दोष उत्पन्न करती है जैसे — चेचक, कनफेड, खसरा, मोतीझरा, कुकर खाँसी व कान मे मवाद आदि अनेक बीमारियां है जिनके कारण श्रवण दोष पैदा होते है। इन दोषो के निवारण के लिए ली गयी दवाइयो के गलत प्रभाव से भी श्रवण दोष हो सकता है।

(e) शैशवकाल मे बालक यदि कुपोषण, भुखमरी तथा मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के हानिकारक प्रभावो का शिकार हो जाये तो उसके परिणामस्वरूप उसकी श्रवण शक्ति नष्ट हो जाती है।

Scanned with CamScanner

श्रवण बाधित बच्चो की विशेषताएँ (Characteristics of Hearing Impaired Children)

भाषा का विकास (Language Development) श्रवण बाधित बच्चों की सामान्य बच्चो की तुलना मे भाषा की समस्याँ अधिक होती है। भाषा के सम्बन्ध मे बहरे बच्चे दो प्रकार के होते है — (1) भाषा ज्ञान से पहले (Prelingually) के बधिर बालक तथा (2) भाषा ज्ञान के बाद (Post lingually) के बधिर बालक। पहले प्रकार के बालक भाषा ज्ञान सीखने से पहले ही अपनी श्रवण शक्ति खो देते है और दूसरे प्रकार के बधिर बालक भाषा सीखने के बाद जीवन की किसी भी अवस्था मे अपनी श्रवण शक्ति खो बैठते है।

भाषा सीखने से पहले के वे भाषा सीखने के बाद के दोनो को ही भाषा सम्बन्धी समस्याएँ होती है लेकिन भाषा सीखने के बाद श्रवण बाधित होने वाले बच्चो की अपेक्षा आसानी से प्रशिक्षित किया जा सकता है। सामान्य बच्चे आसानी से भाषा ग्रहण कर लेते है लेकिन श्रवण बाधित बच्चो को शब्दो को सुनने का कोई अनुभव नही होता, इसलिए उन्हे भाषा सम्बन्धी ज्ञान कराया जाता है। श्रवण बाधित बच्चो को भाषा प्रशिक्षण द्वारा विभिन्न प्रकार के उपकरणो व सामाग्रीयो द्वारा भाषा का ज्ञान कराया जाता है

Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS NOTES

29 श्रवण बाधित बच्चो मे पढ़ने व गणित सम्बन्धी आवश्यक योग्यता का अभाव पाया जाता है

(2) बुद्धि (Intelligence) श्रवण बाधित बालको का मानसिक विकास सामान्य बालको के समान ही होता है। परन्तु कुछ श्रवण बाधित बच्चो की बुद्धिलब्धि उच्च स्तर की होती है

(3) शब्दावली कौशल (Vocabulary Skills)

इनका शब्दावली कौशल निम्न प्रकार का है। इनकी शब्दावली सीमित होती है। दूसरे लोगो से सम्प्रेषण करते समय इनके पास प्रायः शब्द नही होती है। सीमित शब्दावली के कारण ये अपनी भाषा सम्बन्धी योग्यता मे निम्न होते है

(4) व्यक्तिगत समस्याएँ (Personality Problms) शाब्दिक निष्पत्ति के संप्रेषण मे निम्न कारण ये अपनी आपको सामान्य बच्चो की अपेक्षा हीन समझते है। इनमे आत्मविश्वास निम्न होते है बहुत - से श्रवण बाधित बच्चो या तो अधिक आज्ञाकारी होते है या दब्बू किस्म के होते है

(5) उच्चारण (Pronunciation) इनको उच्चारण सम्बन्धी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इनके द्वारा बोले जाने वाले शब्दो मे बहुत त्रुटियाँ होती है श्रवण बाधित बच्चो मे भाषा के उच्चारण मे अधिक दोष होता है।

❖ Self trust is the essence of heroism.

June Tu 1 We 2 Th 3 Fr 4 Sa 5 Su 6 Mo 7 Tu 8 We 9 Th 10 Fr 11 Sa 12 Su 13 Mo 14 Tu 15 We 16 Th 17 Fr 18 Sa 19 Su 20 Mo 21 Tu 22 We 23 Th 24 Fr 25 Sa 26 Su 27 Mo 28 Tu 29 We 30 Th •

Scanned with CamScanner

30

(6) आवाज (Voice) इनकी आवाज बहुत ऊँचे स्तर की होती है और अपनी अवाज को एक असाधारण लय के साथ पेश करते है। अर्थात इनकी आवाज मे एक असाधारण-सा संगीत होता है। ये अवाज के साथ परिश्रम करते महसूस होते है।

(7) शैक्षिक उपलब्धि (Academic Achievement) शैक्षिक निष्पत्ति की दृष्टि से ऐसे बच्चो मे अधिक विभिन्नता पायी जाती है इनको सम्प्रत्यय निर्माण मे पढने मे शब्दावली मे, अमूर्त चिन्तन मे अधिक भिन्नता ~~पायी जाती है~~ शाब्दिक भाषा मे बहुत समस्याएं आती है। इस प्रकार ऐसे बच्चो की शैक्षिक निष्पत्ति निम्न स्तर की स्तर तो ऊँचा होता है, परन्तु फिर भी इनकी शैक्षिक उपलब्धि अधिक नही हो पाती है।

(8) सामाजिक व संवेगात्मक विशेषताएँ (Social and Emotional Characteristics)

श्रवण बाधित बच्चो की सामाजिक व संवेगात्मक विशेषताएँ सामान्य बच्चो से भिन्न होती है। सामाजिक कौशल के लिए हम भाषा का प्रयोग करते है, जिसकी इनमे कमी होती है। ऐसे बच्चो मे पारस्परिक सम्प्रेषण की समस्या होती है और शाब्दिक अन्त क्रिया नही होती है। अक्सर इस प्रकार के बालक ~~भाव~~ भावनात्मक व्यवहार मे असामन्य होते है, क्योकि दूसरो की बातो को समझ नही पाते। कभी कभी अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए

Sudden acquaintance brings repentance.

Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 July

Scanned with CamScanner

वे असामान्य व्यवहार भी करने लगते हैं

श्रवण बाधित बच्चो की पहचान
(Identification of Hearning Impaired Children)

श्रवण बाधित की पहचान और श्रवण बाधित बच्चो की देखभाल दोनो ही शिक्षा मे तथा इन बच्चो के विकास मे महत्वपूर्ण निभाते है। माता-पिता व अन्य सदस्यो द्वारा बच्चे का क्रमिक अवलोकन किया जासकता है जो इनकी पहचान मे बहुत सहायक होता है।
यदि इन बच्चो की समय रहते पहचान अर्थात शुरुआती अवस्था मे ही पहचान हो जाती है, तो इनकी रोकथाम के लिए समय से कार्यक्रम शुरू किये जा सकते है। आवाज के प्रति यदि बच्चा प्रतिक्रिया न करे तो माता-पिता को बच्चे का श्रवण बाधित होने का शक हो जाता है। ऐसे बच्चे के माता-पिता को श्रवण विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए श्रवण बाधित बच्चो की पहचान के लिए कुछ टेस्ट - तकनीको का प्रयोग किया जाता है, जो इस प्रकार है —

(1) मनोनाड़ी परीक्षण (Newrapsychological Test)

(2) बालक का एकल अध्ययन (Case - Study of the child)

Scanned with CamScanner

(3.) विकासात्मक मापनी (Development scale)

(4.) डॉक्टरी परीक्षण (Medical Examination)

(1) मनोनाड़ी परीक्षण (Newropsychological Test)

इन परीक्षणों की सहायता से श्रवण बाधिता से सम्बन्धित नाड़ी की क्रियाओं का आकलन किया जाता है। इसका कारण मानसिक दोष होता है। एक योग्य चिकित्सक इसकी पहचान करके इनका उपचार कर देता है। अधिकांश श्रवण बाधितों में इसी प्रकार का दोष पाया जाता है।

(2.) बालक का एकल अध्ययन (Case-study of the child)

यह विधि श्रवण बाधिता की पहचान की सबसे उत्तम विधि मानी जाती है, क्योंकि इसके अन्तर्गत जन्म वर्तमान स्थिति तक के सभी प्रकार के बालक सम्बन्धी सूचनाओं को संकलित किया जाता है। अन्य सभी मापनियों से केवल पहचान की जाती है, लेकिन एकल अध्ययन विधि से निदान भी होते हैं। बालक सम्बन्धी सूचनाओं के अध्ययन से श्रवण बाधिता के सही कारणों का बोध होता है। इन सूचनाओं में स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनाओं को विशेष महत्व दिया जाता है। स्वास्थ्य सम्बन्धी इतिहास से यह ज्ञात होता है कि बालक कब-कब

Victory belongs to the most persevering. ❖

Scanned with CamScanner

03 बिमारियो से पीड़ित रहता है तथा शल्य चिकित्सा आदि। इसमे बालक के इतिहास के साथ - साथ परिवार के इतिहास को भी सम्मिलित किया जाता है।

(3) विकासात्मक मापनी (Development Scale)

बालक के विकास की अवस्थाओ का सीधा सम्बन्ध उसकी इन्द्रियो से होता है। इसलिए श्रवण बाधित बच्चो की पहचान के लिए उनकी विकासात्मक अवस्थाओ को ध्यान मे रखा जाता है। वायले ने छोटे बच्चो के लिए एक मापनी विकसित की, जिसकी सहायता से ऐसे बच्चो का आरंभिक अवस्था मे ही निदान हो जाता है।

(4) डॉक्टरी परीक्षण (Medical Examination)

मेडिकल परीक्षणो की सहायता से श्रवण बाधिता बालक के व्यक्तित्व को भी पहचान आसानी से हो जाती है। इसमे चिकित्सक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। साधारणत: श्रवण बाधिता बालक के व्यक्तित्व को भी प्रभावित करती है।

Scanned with CamScanner